








Prof.R. Misra Memorial Lecture

Prof. N. K. Dubey

Head, Department of Botany, BHU, Varanasi

Date : 28.02.2022 Time : 11.00am to 12:30pm
Venue : Seminar Hall, FRCER, Prayagraj

Link for ONLINE Participants : meet.google.com/yir-umkb-cyz

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002



On the auspicious occasion of National Science Day, Prof. R. Misra Memorial Lecture Series was organized by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj on 28.02.2022 through offline as well as online medium under AzadikaAmritMahotsav. FRCER Prayagraj instituted this lecture series three years back in honour of Father of Indian Ecology.



The program was inaugurated by lighting the lamp by Guest Speaker Prof. N.K. Dubey, Head of Department, Botany, Banaras Hindu University, Varanasi and Dr. Sanjay Singh, Scientist-G & Head, FRCER along with other dignitaries. The dignitaries and researchers paid homage to Prof. Misra by paying floral tributes on his picture.

In his Welcome Address, Dr. Sanjay Singh delivered on the contribution of Prof. R. Misra in the world of science and opined that ecology and forest science in India owes to him for the progress made in the area.

Dr.Gopa Pandey, IFS (Retd.) and daughter of Prof. R. Misra delivered Inaugural Address. She observed that biodiversity conservation holds the key for country's development and urged the researchers to devote their efforts in the direction. Dr.KumudDubey, Scientist-E & Programme Coordinator spoke on the life and contributions of Prof.Misra.



Prof. N K Dubey, Head, Department of Botany, Banaras Hindu University delivered Prof. R. Misra Memorial Lecture on the topic “ Think locally act globally with reference to ethnomedicinal plants of India”. He was introduced to the listeners by Dr. Anita Tomar, Scientist-F.



Professor Dubey called upon to think about working locally in the context of at the world level. Explaining the importance of medicinal plants, he presented historical perspective and future opportunities in the sustainable utilization of indigenous medicinal plants to place India on the foremost position at the World arena. According to him, if there is no biodiversity, then the world is not possible.



The program was conducted by Dr. Anubha Srivastava, Scientist-D while the Vote of thanks was proposed by Sh. Alok Yadav, Scientist-E. About 100 people participated in the series of lectures through online mode and more than 50 people offline including Prof. Amitabh Kar, Acharya Narendra Dev Agricultural University, Faizabad, the officers and employees, PhD scholars and projects personnel of the centre.

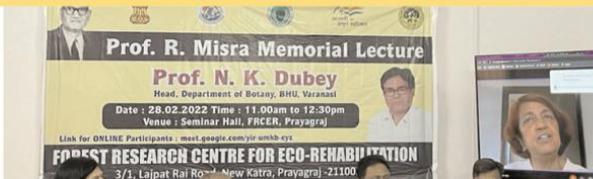


वन नहीं तो दुनिया संभव नहीं: प्रो. मिश्रा वैज्ञानिकों ने बताये औषधीय पौधों के महत्व

प्रयागराज (नि.सं.)। विज्ञान दिवस के अवसर पर पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा सोमवार को प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यान माला श्रृंखला का आयोजन ऑन लाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम का

प्रो० रामदेव

प्रयागराज(नि.सं.)। विज्ञान दिवस के शुभ अवसर पर



में भारतीय वानि शिक्षा परिषद के की। कार्यक्रम के दूबे ने भारतीय के पितामह प्रो श्रद्धांजलि देते परिचय दिया। प्रोफेसर एन.के रूप से भारत वे पौधों के संदर्भ कार्य करने के लिए आह्वान किया। शुरुआत भारत जगत के पितामह प्रो. आर. मिश्रा



पारि पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में मौजूद वक्ता। • हिन्दुस्तान

औषधीय पौधों के महत्व को समझना होगा : प्रो दुबे

प्रयागराज। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. एनके दुबे ने प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला में कहा कि औषधीय पौधों के महत्व को समझना होगा। विज्ञान दिवस के अवसर पर सोमवार को पारि पुनर्स्थापना वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में प्रो. दुबे ने कहा कि औषधीय पौधे ग्लोबली एक्ट लोकली में बहुत मददगार होंगे। प्रो. आर मिश्रा की पुत्री व भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त गोपा पांडेय ने औषधीय पौधों की उपयोगिता पर विचार रखा। केन्द्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने प्रोफेसर आर मिश्रा के योगदान की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनीता तोमर ने विचार रखे।

अमर उजाला

न्यूज डायरी

प्रो. रामदेव मिश्रा की स्मृति में हुई परिचर्चा

प्रयागराज। विज्ञान दिवस के मौके पर पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की ओर से प्रो. आर मिश्रा मेमोरियल व्याख्यानमाला श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने विज्ञान जगत में प्रो. रामदेव मिश्रा के योगदान के बारे में चर्चा की। प्रो. आर मिश्रा की बेटी गोपा पांडेय, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा ने अपने संबोधन में परिस्थितिकी के अंतर्गत औषधीय पौधों की आवश्यकता एवं इस क्षेत्र में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के स्तंभ पर चर्चा की। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, एनके दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. एसडी शुक्ला, प्रो. अमिताभ कर, आचार्य नरेंद्र देव के अध्यक्ष कई बहिर्जीवियों ने विज्ञान दिवस का माध्यम से प्रातभागया का कार्यक्रम आयोजित करने हेतु विचार करने का विद्यार्थी आदि उपास्थित रहें।